सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 292
06/04/2017

मुख्यमंत्री ने स्व0 मुलुकरानी देवी की प्रतिमा का किया अनावरण

पटना, 06 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज जहानाबाद जिला के ओकरी में बी0बी0एम0 महाविद्यालय प्रांगण में स्व0 मुलुकरानी देवी जी की मूर्ति का अनावरण किया। इसके पश्चात सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यसभा सांसद श्री महेन्द्र प्रसाद ने अपनी पूजनीय मॉ की प्रेरणा से कॉलेज की स्थापना की। कॉलेज में स्व0 मुलुकरानी देवी की मूर्ति स्थापित कर उसके अनावरण करने के लिये मुझे आमंत्रित किया, इसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूॅ। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके माता जी से भी मिलने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। उनकी परोपकारिता को याद करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने पुत्रों को प्रेरित कर ग्रामीण इलाके में इतना भव्य कॉलेज स्थापित किया है। यहॉ चार हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जिसमें से 70 प्रतिशत लड़कियॉ शामिल हैं। यह जानकर मुझे काफी प्रसन्नता हुयी है। पहले लड़कियॉ स्कूल कम जाती थी। पहली बार जब मैं सता में आया तो तो लड़कियों को स्कूल पहुँचाने का प्रण लिया। मिडिल स्कूलों में पोशाक योजना की शुरूआत की। छात्राओं को साइकिल दी गयी। बड़ी संख्या में लड़कियॉ घर से निकलकर स्कूल पहॅुची। साइकिल योजना से समाज का वातावरण बदला। कई लोगों ने इसका विरोध किया कि अब असामाजिक तत्वों द्वारा छेड़छाड़ की घटनायें बढ़ेगी। यह देखते हुये मैंने लड़कियों को मार्शल आर्ट, जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया। हालांकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नहीं हुयी। लोगों की सोच और मानसिकता में बदलाव आया है। मैंने लड़कों के लिये भी साइकिल योजना शुरू कर दी। जब साइकिल योजना की शुरूआत की थी, उस समय 9वीं कक्षा में एक लाख 70 हजार छात्रायें निबंधित थी, जो आज बढ़कर नौ लाख से ज्यादा हो गयी है। ग्रामीण अंचल के इस कॉलेज में 70 फीसदी लड़कियॉ द्वारा शिक्षा ग्रहण करना बड़ी ही प्रसन्नता की बात है। स्व0 मुलुकरानी देवी के प्रतिमा का अनावरण कर मुझे बहुत खुशी हुयी है। संस्थापकों, आयोजकों एवं कॉलेज प्रबंधकों को मैं बधाई देता हूॅ। यहॉ के विद्यार्थियों को अब बाहर जाने की जरूरत नहीं है। स्व0 मुलुकरानी देवी को याद करते हुये मुख्यमंत्री ने सांसद श्री महेन्द्र प्रसाद से कहा कि उनकी स्मृति में और भी शिक्षण संस्थान खोलें और उनके विचारों तथा सोच को आगे बढ़ायें। बिहार में प्रतिभाशाली लोगों की कमी नहीं है, पर संस्थानों की कमी है। मैंने अभी तक के कार्यकाल में बहुत सारे शैक्षणिक संस्थान खोले। बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को एन0आई0टी0 का दर्जा दिया गया। चाणक्य विधि विश्वविद्यालय, चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान की स्थापना की गयी। बी0आई0टी0 मेसरा की एक शाखा यहॉ खोली गयी। निफ्ट की भी स्थापना की गयी। सात निश्चय कार्यक्रम के अन्तर्गत हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज खोली जा रही है। नर्सिंग, ए0एन0एम0, आई0टी0आई0 की स्थापना की जा रही है। शैक्षणिक संस्थान सरकारी क्षेत्र से बाहर निकलकर निजी क्षेत्र में भी स्थापित होनी चाहिये। बिहार में जो काम हुआ है, बदलाव हुआ है, इससे लोगों में बिहारी होने का गर्व बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में कृषि के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विकास हुआ है। बिहार में उत्पादकता विगत दो–तीन वर्षों में राष्ट्रीय स्तर से आगे निकल गया है। बिहार धान उत्पादन में

विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह किसानों के परिश्रम का ही फल है। हमारा सिद्धांत सामाजिक न्याय के साथ समावेशी विकास करना है। विकास के सही मायनों को गॉव–गॉव तक पहुॅचाना है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुॅचे। इसी नीति को आधार बनाकर हम काम करते हैं। प्रेम एवं सौहार्द्र का वातावरण बना है। सात निश्चय योजनान्तर्गत सभी टोला एवं गॉव को पक्की सड़क से जोड़ा जायेगा। यहॉ पहुॅचने से पहले जहानाबाद के मण्डई में आज मैंने वीयर बॉध का भी निरीक्षण किया। नालंदा, धनरूआ, एकंगरसराय आदि के सभी लोगों को इससे लाभ मिलेगा। मण्डई वीयर बॉध का कार्य एक से डेढ़ साल में पूर्ण हो जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक महीने में औसतन 39 मरीज ही जाते थे। बाद में मैंने पारा मेडिकल स्टाफ, मेडिकल कॉलेज की स्थापना की, दवा की उपलब्धता को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सुनिश्चित किया। अब इसका परिणाम है कि अपने इलाज के लिये दस हजार मरीज प्रतिमाह प्रति स्वास्थ्य केन्द्र जाते हैं। लोगों को रोजगार मिले, इसके लिये हमने कौशल विकास योजना की शुरूआत की। हरेक चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब में पहले लोग अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा गंवा देते थे। शाम में ग्रामीण चौक, चौपाल पर कोलाहल एवं झगड़े की स्थिति बनती थी। शराबबंदी के बाद वातावरण बदला है। चम्पारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे हुये हैं। प्रकाश उत्सव भी सफलतापूर्वक मनाया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक प्रयास करते हुये महिलाओं के आह्वान पर मैंने शराबबंदी की नीति लागू की। शराबबंदी के बाद 15 से 16 फीसदी रसगुल्ला की बिक्री बढ़ी। उन्होंने कहा कि नीरा स्वास्थ्य के लिये भी लाभदायक है और नीरा से गुड़ निकलता है, इसका मिठाई बनाने में भी प्रयोग किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त हुये बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। अफीम से मुक्त होकर ही चीन आगे बढ़ा। लोगों में जन चेतना जगाना होगा। मात्र कानून से इसे लागू नहीं किया जा सकता। जन चेतना जरूरी है। 21 जनवरी को नशाबंदी के हक में तथा शराबबंदी के पक्ष में सफल मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। चार करोड़ लोगों ने इसमें अपनी भागीदारी निभायी। दुनिया के लिये यह नजीर बन गया। मुख्यमंत्री ने स्व0 मुलुकरानी देवी के पुण्य तिथि पर लोगों से नशामुक्ति के पक्ष में संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामनवमी जुलूस का दौर अभी चल रहा है। लोगों से सद्भाव, प्रेम, सहिष्णुता का वातावरण बनाये रखने की भी अपील की और देश की तरक्की में अपना योगदान देने को कहा।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, राज्यसभा सांसद श्री महेन्द्र प्रसाद, मखदुमपुर के विधायक श्री सूबेदार दास, इस्लामपुर के विधायक श्री चन्द्रसेन प्रसाद, कुर्था के विधायक श्री सत्यदेव प्रसाद कुशवाहा, रफीगंज के विधायक श्री अशोक कुमार सिंह, शेरघाटी के विधायक श्री बिनोद प्रसाद यादव, विधान पार्षद श्री संजीव श्याम सिंह, पूर्व विधायक श्री बबलू देव, पूर्व विधायक श्री सुरेन्द्र सिन्हा, बी0बी0एम0 कॉलेज के अध्यक्ष सह संयोजक श्री उमेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने जहानाबाद जिल के मोदनगंज प्रखण्ड में मण्डई वीयर बॉध का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा– निर्देश दिये।

*****